बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-458**
19/07/2026

551 सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के नाम पर बेगूसराय में बनेगा विश्वविद्यालय

मुख्य बिंदु :–

- सिमरिया में 10 एकड़ भूमि पर भगवान श्री वेंकटेश्वर (तिरुपति) मंदिर' की स्थापना होगी।
- सिमरिया से भागलपुर तक गंगा के किनारे 'मरीन ड्राइव' का निर्माण कराया जाएगा।
- रक्सौल–हल्दिया एक्सप्रेस–वे बन जाने पर बेगूसराय, मुंगेर सहित इस क्षेत्र के लोग लगभग 5 घंटे में कोलकाता पहुँचेंगे।
- राज्य सरकार की सोच है कि 'बिहार पढ़ेगा, तब बिहार आगे बढ़ेगा।'
- सरकार का उद्देश्य बिहार के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहने देना है।
- **FILO App,** बिहार स्कूल लाइव क्लासेज, स्मार्ट क्लास एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था को और सशक्त किया जाएगा।

पटना 19 जुलाई 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज बेगूसराय स्थित आई0ओ0सी0एल0 स्टेडियम में आयोजित समारोह में राज्य के '551 सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय)' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा किसी भी विकसित समाज की सबसे बड़ी शक्ति होती है और बिहार सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करना है, जहां प्रत्येक बच्चे को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, तकनीक आधारित एवं संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सोच है कि 'बिहार पढ़ेगा, तब बिहार आगे बढ़ेगा।' इसी संकल्प को साकार करने के लिए विद्यालयी शिक्षा में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकारी विद्यालयों में भी निजी विद्यालयों के समान गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण विकसित किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को भी समान अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट शिक्षकों से ऑनलाइन अध्ययन का अवसर मिल रहा है। 15 अगस्त से '**FILO App**' के माध्यम से लाइव

एवं इंटरैक्टिव कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। इस एप के माध्यम से बच्चे कभी भी लाइव क्लासेज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। चयनित विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल स्टूडियो, आधुनिक प्रयोगशालाएं तथा **NEET, JEE** सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य बिहार के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह दिन ऐतिहासिक है कि एक दिन में 551 सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) खोले जा रहे हैं। इसमें 4 लाख बच्चे पढ़ेंगे। मॉडल स्कूल बच्चों के बेहतर भविष्य का मजबूत आधार बनेगा। यह केवल नए विद्यालय नहीं हैं, बल्कि बिहार की नई शिक्षा नीति और विकसित बिहार के संकल्प के मजबूत आधार हैं। इन विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना का विकास होगा। शिक्षकों की सुविधाओं के लिये भी सरकार ने कई कदम उठाये हैं। हमलोग चाहते हैं कि शिक्षक अच्छे से बच्चों को पढ़ायें ताकि उनका भविष्य बेहतर हो सके। शिक्षकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये शिक्षकों का स्थानांतरण प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से 29 जुलाई से शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई को 211 डिग्री कॉलेज की शुरूआत की गयी। साथ ही विक्रमशिला विशविद्यालय के लिये जमीन उपलब्ध करा दी गयी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बेगूसराय एवं बिहार के समग्र विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की जन्मभूमि बेगूसराय में उनके नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा, शोध, साहित्य एवं भारतीय चिंतन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रकवि दिनकर के विचारों और साहित्यिक विरासत से जोड़ने का कार्य करेगा। बेगूसराय में 10 एकड़ भूमि पर भगवान श्री वेंकटेश्वर (तिरुपति) मंदिर की स्थापना की जाएगी। यह मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनने के साथ–साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। उन्होंने कहा कि सिमरिया से भागलपुर तक गंगा नदी के किनारे मरीन ड्राइव का निर्माण कराया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पर्यटन, आवागमन और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी तथा गंगा तट के विकास को भी गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि रक्सौल–हल्दिया एक्सप्रेस–वे के निर्माण से बिहार की संपर्क व्यवस्था को नई गति मिलेगी। इस परियोजना के पूर्ण होने पर बेगूसराय, मुंगेर सहित इस क्षेत्र के लोग कोलकाता की दूरी लगभग पाँच घंटे में तय कर सकेंगे। इससे उद्योग, व्यापार, कृषि, परिवहन एवं निवेश को व्यापक बढ़ावा मिलेगा और राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, पर्यटन, संस्कृति एवं रोजगार के क्षेत्रों में समन्वित विकास की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के सपने तथा पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करने के लिये हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। 1 करोड़ लोगों को रोजगार देने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये तेजी से काम किया जा रहा है। उन्नत शिक्षा से बेहतर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। 1 करोड़ 81 लाख बहनों के खाते में 10 हजार रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है। जिन बहनों के खाते में राशि हस्तांतरित नहीं की गयी है उन बहनों के खाते में राशि 25 जुलाई को हस्तांतरित की जायेगी। सहयोग शिविर के माध्यम से अब तक 6 लाख आवेदन प्राप्त हुये हैं, जिसमें से 5 लाख 60 हजार आवेदनों का निष्पादन किया गया है। जो लोग निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं, उनके लिये प्रत्येक महीने के दूसरे मंगलवार को राज्य स्तरीय सहयोग शिविर की शुरूआत की गयी है, जिसमें मेरे स्तर पर आवेदन का निष्पादन किया जाता है। आज शिवहर में बागमती–बूढ़ी गंडक रिवर लिंक योजना के अन्तर्गत बेलवा–मीनापुर लिंक चैनल का लोकार्पण किया गया है। अब बूढ़ी गंडक में बागमती का पानी आयेगा। नदी जोड़ो योजना का काम शुरू हो गया है, इससे समृद्धि का रास्ता बनेगा।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं एवं परियोजनाओं के माध्यम से बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में तेजी से आगे बढ़ेगा और युवाओं के सपनों को नई उड़ान मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) पर आधारित लघु फ़िल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने सतत् जीविकोपार्जन योजना, जीविका स्वयं सहायता समूह अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना, अभियान बसेरा, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य योजनाओं के लाभुकों क़ो सांकेतिक चेक, प्रमाण पत्र/स्वीकृति पत्र आदि प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व बेगूसराय प्रखंड अंतर्गत सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) के रूप में चयनित बी0पी0 इंटर स्कूल, बेगूसराय का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय), बेगूसराय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने संगीत कक्ष, पुस्तकालय, फिजिक्स लैब, स्मार्ट क्लास रूम आदि का निरीक्षण कर उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने छात्रों द्वारा विद्यालय परिसर में आर्ट एंड क्राफ्ट, आधुनिक तकनीक एवं विज्ञान आधारित लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा बच्चों से बातचीत भी की। मुख्यमंत्री के आगमन पर स्कूली बच्चों ने स्वागत गान तथा ढोल–नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम क़ो केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी, बेगूसराय जिले के प्रभारी मंत्री सह सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव, गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार एवं विधायक श्री कुंदन कुमार ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में विधायक श्री सुरेंद्र मेहता, विधायक श्री रजनीश कुमार, विधायक श्री नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह, विधायक श्री अभिषेक आनंद, विधान पार्षद श्री सर्वेश कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष श्री सुरेंद्र पासवान, महापौर श्रीमती पिंकी देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुंगेर प्रमंडल के आयुक्त श्री प्रेम सिंह मीणा, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री राजीव रौशन, बेगूसराय प्रक्षेत्र के पुलिस उप–महानिरीक्षक श्री शैलेश कुमार सिन्हा, बेगूसराय के जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री, पुलिस अधीक्षक श्री मनीष कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्रायें एवं आमजन उपस्थित थे।

****